Vishwakarma Chalisa Lyrics with meaning in English and Hindi

Vishwakarma Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
श्री विश्वकर्म प्रभु वन्दऊं, चरणकमल धरिध्यान ।
श्री, शुभ, बल अरु शिल्पगुण, दीजै दया निधान ॥

॥ चौपाई ॥
जय श्री विश्वकर्म भगवाना । जय विश्वेश्वर कृपा निधाना ॥

शिल्पाचार्य परम उपकारी । भुवना-पुत्र नाम छविकारी ॥

अष्टमबसु प्रभास-सुत नागर । शिल्पज्ञान जग कियउ उजागर ॥

अद्भुत सकल सृष्टि के कर्ता । सत्य ज्ञान श्रुति जग हित धर्ता ॥

अतुल तेज तुम्हतो जग माहीं । कोई विश्व मंह जानत नाही ॥

विश्व सृष्टि-कर्ता विश्वेशा । अद्भुत वरण विराज सुवेशा ॥

एकानन पंचानन राजे । द्विभुज चतुर्भुज दशभुज साजे ॥

चक्र सुदर्शन धारण कीन्हे । वारि कमण्डल वर कर लीन्हे ॥

शिल्पशास्त्र अरु शंख अनूपा । सोहत सूत्र माप अनुरूपा ॥

धनुष बाण अरु त्रिशूल सोहे । नौवें हाथ कमल मन मोहे ॥

दसवां हस्त बरद जग हेतु । अति भव सिंधु मांहि वर सेतु ॥

सूरज तेज हरण तुम कियऊ । अस्त्र शस्त्र जिससे निरमयऊ ॥

चक्र शक्ति अरू त्रिशूल एका । दण्ड पालकी शस्त्र अनेका ॥

विष्णुहिं चक्र शूल शंकरहीं । अजहिं शक्ति दण्ड यमराजहीं ॥

इंद्रहिं वज्र व वरूणहिं पाशा । तुम सबकी पूरण की आशा ॥

भांति-भांति के अस्त्र रचाए । सतपथ को प्रभु सदा बचाए ॥

अमृत घट के तुम निर्माता । साधु संत भक्तन सुर त्राता ॥

लौह काष्ट ताम्र पाषाणा । स्वर्ण शिल्प के परम सजाना ॥

विद्युत अग्नि पवन भू वारी । इनसे अद्भुत काज सवारी ॥

खान-पान हित भाजन नाना । भवन विभिषत विविध विधाना ॥

विविध व्सत हित यत्रं अपारा । विरचेहु तुम समस्त संसारा ॥

द्रव्य सुगंधित सुमन अनेका । विविध महा औषधि सविवेका ॥

शंभु विरंचि विष्णु सुरपाला । वरुण कुबेर अग्नि यमकाला ॥

तुम्हरे ढिग सब मिलकर गयऊ । करि प्रमाण पुनि अस्तुति ठयऊ ॥

भे आतुर प्रभु लखि सुर-शोका । कियउ काज सब भये अशोका ॥

अद्भुत रचे यान मनहारी । जल-थल-गगन मांहि-समचारी ॥

शिव अरु विश्वकर्म प्रभु मांही । विज्ञान कह अंतर नाही ॥

बरनै कौन स्वरूप तुम्हारा । सकल सृष्टि है तव विस्तारा ॥

रचेत विश्व हित त्रिविध शरीरा । तुम बिन हरै कौन भव हारी ॥

मंगल-मूल भगत भय हारी । शोक रहित त्रैलोक विहारी ॥

चारो युग परताप तुम्हारा । अहै प्रसिद्ध विश्व उजियारा ॥

ऋद्धि सिद्धि के तुम वर दाता । वर विज्ञान वेद के ज्ञाता ॥

मनु मय त्वष्टा शिल्पी तक्षा । सबकी नित करतें हैं रक्षा ॥

पंच पुत्र नित जग हित धर्मा । हवै निष्काम करै निज कर्मा ॥

प्रभु तुम सम कृपाल नहिं कोई । विपदा हरै जगत मंह जोई ॥

जै जै जै भौवन विश्वकर्मा । करहु कृपा गुरुदेव सुधर्मा ॥

इक सौ आठ जाप कर जोई । छीजै विपत्ति महासुख होई ॥

पढाहि जो विश्वकर्म-चालीसा । होय सिद्ध साक्षी गौरीशा ॥

विश्व विश्वकर्मा प्रभु मेरे । हो प्रसन्न हम बालक तेरे ॥

मैं हूं सदा उमापति चेरा । सदा करो प्रभु मन मंह डेरा ॥

॥ दोहा ॥
करहु कृपा शंकर सरिस, विश्वकर्मा शिवरूप ।
श्री शुभदा रचना सहित, ह्रदय बसहु सूर भूप ॥

Vishwakarma Chalisa Meaning in Hindi

॥ दोहा ॥
श्री विश्वकर्म प्रभु वन्दऊं, चरणकमल धरिध्यान।

- मैं श्री विश्वकर्मा प्रभु को वंदन करता हूँ और उनके चरण कमलों का ध्यान करता हूँ।

श्री, शुभ, बल अरु शिल्पगुण, दीजै दया निधान ॥

- हे दया के भंडार! कृपया मुझे श्री, शुभता, शक्ति और शिल्पकला का वरदान दीजिए।

॥ चौपाई ॥
जय श्री विश्वकर्म भगवाना। जय विश्वेश्वर कृपा निधाना ॥

- जय हो श्री विश्वकर्मा भगवान! जय हो, हे विश्व के स्वामी और कृपा के भंडार!

शिल्पाचार्य परम उपकारी। भुवना-पुत्र नाम छविकारी ॥

- आप शिल्पाचार्य (शिल्पकला के गुरु) और अत्यंत उपकारी हैं। आपका नाम सभी लोकों में प्रसिद्ध है।

अष्टमबसु प्रभास-सुत नागर। शिल्पज्ञान जग कियउ उजागर ॥

- आप आठ वसु में से प्रभास के पुत्र हैं और आपने शिल्पकला का ज्ञान पूरी दुनिया में उजागर किया।

अद्भुत सकल सृष्टि के कर्ता। सत्य ज्ञान श्रुति जग हित धर्ता ॥

- आप अद्भुत और इस संपूर्ण सृष्टि के रचयिता हैं। आप सत्य, ज्ञान और वेदों के आधार हैं, जो संसार के हित के लिए हैं।

अतुल तेज तुम्हतो जग माहीं। कोई विश्व मंह जानत नाही ॥

- आपका तेज अद्वितीय है, जिसे इस संसार में कोई भी पूरी तरह से नहीं जानता।

विश्व सृष्टि-कर्ता विश्वेशा। अद्भुत वरण विराज सुवेशा ॥

- आप विश्व के रचयिता और उसके स्वामी हैं। आप अद्भुत रूप में विराजमान हैं।

एकानन पंचानन राजे। द्विभुज चतुर्भुज दशभुज साजे॥

- आप कभी एक मुख, तो कभी पांच मुखों वाले रूप में प्रकट होते हैं। आप दो भुजाओं, चार भुजाओं और दस भुजाओं के विभिन्न स्वरूपों में सुशोभित हैं।

चक्र सुदर्शन धारण कीन्हे। वारि कमण्डल वर कर लीन्हे॥

- आपने अपने हाथ में सुदर्शन चक्र और कमंडल को धारण किया हुआ है।

शिल्पशास्त्र अरु शंख अनूपा। सोहत सूत्र माप अनुरूपा॥

- आप शिल्पशास्त्र और दिव्य शंख से सुशोभित हैं। आपके पास मापने के लिए सूत्र (माप यंत्र) भी है।

धनुष बाण अरु त्रिशूल सोहे। नौवें हाथ कमल मन मोहे॥

- आपके हाथों में धनुष, बाण और त्रिशूल शोभित होते हैं। आपके नौवें हाथ में कमल है, जो मन को आकर्षित करता है।

दसवां हस्त बरद जग हेतु। अति भव सिंधु मांहि वर सेतु॥

- आपके दसवें हाथ में वरदान देने वाली मुद्रा है, जो संसार के कल्याण के लिए है। आप भवसागर को पार करने के लिए सेतु (सहारा) हैं।

सूरज तेज हरण तुम कियऊ। अस्त्र शस्त्र जिससे निरमयऊ॥

- आपने सूर्य के तेज को नियंत्रित किया और अनेक दिव्य अस्त्र-शस्त्रों की रचना की।

चक्र शक्ति अरू त्रिशूल एका। दण्ड पालकी शस्त्र अनेका॥

- आप चक्र, शक्ति और त्रिशूल के स्वामी हैं। आपके पास दंड, पालकी और कई अन्य शस्त्र भी हैं।

विष्णुहिं चक्र शूल शंकरहीं। अजहिं शक्ति दण्ड यमराजहीं॥

- आपने भगवान विष्णु को चक्र, शिव को त्रिशूल और यमराज को दंड प्रदान किया।

इंद्रहिं वज्र व वरूणहिं पाशा। तुम सबकी पूरण की आशा॥

- आपने इंद्र को वज्र और वरुण को पाश (फांसी का फंदा) दिया। आप सभी देवताओं की इच्छाओं को पूरा करने वाले हैं।

भांति-भांति के अस्त्र रचाए। सतपथ को प्रभु सदा बचाए॥

- आपने विभिन्न प्रकार के अस्त्र-शस्त्रों की रचना की और धर्म के मार्ग की रक्षा की।

अमृत घट के तुम निर्माता। साधु संत भक्तन सुर त्राता॥

- आपने अमृत कलश की रचना की और आप साधु-संतों, भक्तों तथा देवताओं के रक्षक हैं।

लौह काष्ट ताम्र पाषाणा। स्वर्ण शिल्प के परम सजाना॥

- आपने लोहे, लकड़ी, तांबे, पत्थर और सोने की शिल्पकला को परिपूर्ण किया।

विद्युत अग्नि पवन भू वारी। इनसे अद्भुत काज सवारी॥

- आप विद्युत, अग्नि, वायु, पृथ्वी और जल के माध्यम से अद्भुत कार्यों को संचालित करते हैं।

खान-पान हित भाजन नाना। भवन विभिषत विविध विधाना॥

- आपने खान-पान के लिए विभिन्न प्रकार के पात्रों और रहने के लिए विविध प्रकार के भवनों की रचना की।

विविध वस्त हित यंत्रं अपारा। विरचेहु तुम समस्त संसारा॥

- आप विभिन्न आवश्यकताओं के लिए अनगिनत यंत्रों और साधनों की रचना करके पूरे संसार को रचते हैं।

द्रव्य सुगंधित सुमन अनेका। विविध महा औषधि सविवेका॥

- आपने अनेक प्रकार के सुगंधित पदार्थ, फूल और महत्वपूर्ण औषधियों की रचना की।

शंभु विरंचि विष्णु सुरपाला। वरुण कुबेर अग्नि यमकाला॥

- आप शंभु (शिव), ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवताओं के स्वामी हैं। वरुण, कुबेर, अग्नि और यमराज भी आपकी स्तुति करते हैं।

तुम्हरे ढिग सब मिलकर गयऊ। करि प्रमाण पुनि अस्तुति ठयऊ॥

- सभी देवता एकत्र होकर आपके पास आए, आपकी महिमा को स्वीकार किया और आपकी स्तुति करने लगे।

भे आतुर प्रभु लखि सुर-शोका। कियउ काज सब भये अशोका॥

- जब आपने देवताओं को चिंतित और परेशान देखा, तो आपने उनका कार्य पूरा किया और उन्हें शोकमुक्त कर दिया।

अद्भुत रचे यान मनहारी। जल-थल-गगन मांहि-समचारी॥

- आपने अद्भुत और मनमोहक यानों (वाहनों) की रचना की, जो जल, थल और आकाश में चलते हैं।

शिव अरु विश्वकर्म प्रभु मांही। विज्ञान कह अंतर नाही॥

- शिव और विश्वकर्मा प्रभु में विज्ञान कहता है कि कोई अंतर नहीं है।

बरनै कौन स्वरूप तुम्हारा। सकल सृष्टि है तव विस्तारा॥

- आपके स्वरूप का वर्णन कौन कर सकता है? पूरी सृष्टि आपकी ही विस्तारित शक्ति है।

रचेत विश्व हित त्रिविध शरीरा। तुम बिन हरै कौन भव हारी॥

- आप विश्व के हित में त्रिविध (तीन प्रकार के) शरीरों की रचना करते हैं। संसार में आपके बिना कौन मोक्ष प्रदान कर सकता है ?

मंगल-मूल भगत भय हारी। शोक रहित त्रैलोक विहारी॥

- आप मंगलमय मूल हैं, जो भक्तों का भय हरते हैं। आप तीनों लोकों में शोक रहित होकर विहार करते हैं।

चारो युग परताप तुम्हारा। अहै प्रसिद्ध विश्व उजियारा॥

- आपके प्रताप का वर्णन चारों युगों में होता है। आपकी महिमा से पूरा विश्व प्रकाशमान है।

ऋद्धि सिद्धि के तुम वर दाता। वर विज्ञान वेद के ज्ञाता॥

- आप ऋद्धि-सिद्धि के वरदाता हैं और वेद तथा विज्ञान के महान ज्ञाता हैं।

मनु मय त्वष्टा शिल्पी तक्षा। सबकी नित करतें हैं रक्षा॥

- आप मनु, त्वष्टा, शिल्पी और तक्षक के रूप में सभी की रक्षा करते हैं।

पंच पुत्र नित जग हित धर्मा। हवै निष्काम करै निज कर्मा॥

- आपके पांच पुत्र (नकुल, बलखिल्य, कुर्म, महोदरा, विश्वेश्वर) जगत के हित में निष्काम भाव से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं।

प्रभु तुम सम कृपाल नहिं कोई। विपदा हरै जगत मंह जोई॥

- प्रभु ! आपके जैसा कृपालु और कोई नहीं है। आप संसार की सभी विपत्तियों का नाश करने वाले हैं।

जै जै जै भौवन विश्वकर्मा। करहु कृपा गुरुदेव सुधर्मा॥

- जय हो ! जय हो ! जय हो ! हे भुवनपति विश्वकर्मा ! कृपया अपनी कृपा बनाए रखिए। हे गुरु, हमें धर्म के मार्ग पर

चलाइए।

इक सौ आठ जाप कर जोई। छीजै विपत्ति महासुख होई॥

- जो व्यक्ति 108 बार आपका जाप करता है, उसकी सभी विपत्तियाँ दूर हो जाती हैं और उसे महान सुख की प्राप्ति होती है।

पढाहि जो विश्वकर्म-चालीसा। होय सिद्ध साक्षी गौरीशा॥

- जो भी व्यक्ति विश्वकर्मा चालीसा का पाठ करता है, वह सिद्धि प्राप्त करता है। इसकी साक्षी स्वयं गौरीपति (शिव) हैं।

विश्व विश्वकर्मा प्रभु मेरे। हो प्रसन्न हम बालक तेरे॥

- हे विश्वकर्मा प्रभु! कृपया मुझ पर प्रसन्न होइए। हम आपके छोटे बालक हैं।

मैं हूं सदा उमापति चेरा। सदा करो प्रभु मन मंह डेरा॥

- मैं सदा उमापति (शिव) का सेवक हूँ। प्रभु! कृपया मेरे मन में सदा के लिए वास कीजिए।

॥ दोहा ॥
करहु कृपा शंकर सरिस, विश्वकर्मा शिवरूप।

- हे विश्वकर्मा! कृपया शिव के समान मुझ पर कृपा करें, क्योंकि आप शिव के ही रूप हैं।

श्री शुभदा रचना सहित, ह्रदय बसहु सूर भूप॥

- हे श्री विश्वकर्मा! आप कृपा करके शुभ रचना के साथ मेरे ह्रदय में वास करें।

Vishwakarma Chalisa Lyrics in English

॥ Doha ॥
Shri Vishwakarma Prabhu vandau, charankamal dharidhiyaan.
Shri, shubh, bal aru shilpagun, deejai daya nidhaan.

॥ Chaupai ॥
Jai Shri Vishwakarma Bhagwana. Jai Vishweshwar kripa nidhaana.

Shilpaacharya param upkaari. Bhuvana-putra naam chhavikaari.

Ashtambasu Prabhas-sut naagar. Shilp gyaan jag kiyo ujagar.

Adbhut sakal srishti ke kartaa. Satya gyaan shruti jag hit dhartaa.

Atul tej tumhato jag maahin. Koi vishw mein jaanat naahin.

Vishwa srishti-karta Vishwesha. Adbhut varan viraaj suvesha.

Ekaanana panchanana raaje. Dvibhuja chaturbhuja dashabhuja saaje.

Chakra sudarshan dhaaran keenhe. Vaari kamandal var kar leenhe.

Shilp shaastra aru shankh anoopa. Sohat sutra maap anuroopa.

Dhanush baan aru trishool sohe. Nauven haath kamal man mohe.

Dasvaan hast varad jag hetu. Ati bhav sindhu maahin var setu.

Sooraj tej haran tum kiyao. Astra shastra jisse nirmayao.

Chakra shakti aru trishool eka. Dand paalki shastra aneka.

Vishnuhin chakra shool Shankarhin. Ajahin shakti dand Yamraajhin.

Indrahin vajra va Varunhin paasha. Tum sabki pooran ki aasha.

Bhaanti-bhaanti ke astra rachaye. Satpath ko Prabhu sada bachaye.

Amrit ghat ke tum nirmaata. Saadhu sant bhaktan sur traata.

Lauh kaasht taamra paashaana. Swarn shilp ke param sajaana.

Vidyut agni pavan bhu vaari. Inse adbhut kaaj savaari.

Khaan-paan hit bhaajan naana. Bhavan vibhishta vividha vidhaana.

Vividha vast hit yantra apaara. Virachehu tum samast sansaara.

Dravya sugandhit suman aneka. Vividha maha aushadhi saviveka.

Shambhu viranchi Vishnu surpaala. Varun Kuber Agni Yamakala.

Tumhare digh sab milkar gayo. Kari pramaan puni astuti thayo.

Bhe aatur Prabhu lakhi sur-shoka. Kiyao kaaj sab bhaye ashoka.

Adbhut rache yaan manhaari. Jal-thal-gagan maahin-samaachaari.

Shiv aru Vishwakarma Prabhu maahin. Vigyaan kah antar naahin.

Barnai kaun swaroop tumhaara. Sakal srishti hai tav vistaara.

Rachet vishw hit trividh shareera. Tum bin harai kaun bhav haari.

Mangal-mool bhagat bhay haari. Shok rahit trailok vihaari.

Chaaro yug prataap tumhaara. Ahai prasiddha vishwa ujiyaara.

Riddhi siddhi ke tum var daata. Var vigyaan ved ke gyaata.

Manu may Tvashta shilpi takshaa. Sabki nit kartein hain rakshaa.

Panch putra nit jag hit dharmaa. Havai nishkaam karai nij karmaa.

Prabhu tum sam kripaal naahin koi. Vipda harai jagat maahin joi.

Jai jai jai bhauvan Vishwakarma. Karahu kripa Gurudev Sudharma.

Ik sau aath jaap kar joi. Chheejai vipatti maha sukh hoi.

Padhaahi jo Vishwakarma Chaleesa. Hoy siddh saakshi Gaurisha.

Vishwa Vishwakarma Prabhu mere. Ho prasanna hum baalak tere.

Main hun sada Umapati chera. Sada karo Prabhu man mahin dera.

□ Doha □
Karahu kripa Shankar saris, Vishwakarma Shivroop.
Shri shubhda rachna sahit, hriday basahu soor bhoop.

Vishwakarma Chalisa Meaning in English

□ Doha □
Shri Vishwakarma Prabhu vandau, charankamal dharidhiyaan.

- I bow to Lord Vishwakarma and meditate upon His lotus feet.

Shri, shubh, bal aru shilpagun, deejai daya nidhaan.

- O treasure of compassion! Bless me with wealth, prosperity, strength, and the skills of craftsmanship.

□ Chaupai □
Jai Shri Vishwakarma Bhagwana. Jai Vishweshwar kripa nidhaana.

- Hail to Lord Vishwakarma! Hail to the Lord of the Universe and the source of infinite grace!

Shilpaacharya param upkaari. Bhuvana-putra naam chhavikaari.

- You are the master of all arts and the supreme benefactor. Your name is renowned throughout the worlds.

Ashtambasu Prabhas-sut naagar. Shilp gyaan jag kiyo ujagar.

- You are the son of Prabhas, one of the eight Vasus, and you spread the knowledge of craftsmanship across the world.

Adbhut sakal srishti ke kartaa. Satya gyaan shruti jag hit dhartaa.

- You are the amazing creator of the entire universe. You uphold truth, knowledge, and the wisdom of the scriptures for the welfare of the world.

Atul tej tumhato jag maahin. Koi vishw mein jaanat naahin.

- Your unparalleled brilliance shines throughout the universe, but no one can fully comprehend it.

Vishwa srishti-karta Vishwesha. Adbhut varan viraaj suvesha.

- You are the creator and lord of the universe, adorned with a marvelous and divine form.

Ekaanana panchanana raaje. Dvibhuja chaturbhuja dashabhuja saaje.

- You manifest in different forms: sometimes with one face, five faces, and at times with two, four, or ten arms.

Chakra sudarshan dhaaran keenhe. Vaari kamandal var kar leenhe.

- You hold the Sudarshan Chakra and a water-filled kamandal in your hands.

Shilp shaastra aru shankh anoopa. Sohat sutra maap anuroopa.

- You are adorned with the scriptures of craftsmanship and a unique conch. You also carry measuring instruments in your hands.

Dhanush baan aru trishool sohe. Nauven haath kamal man mohe.

- You hold a bow, arrows, and a trident. In your ninth hand, you carry a lotus that captivates the mind.

Dasvaan hast varad jag hetu. Ati bhav sindhu maahin var setu.

- In your tenth hand, you hold the gesture of granting boons, providing a bridge of hope across the ocean of worldly existence.

Sooraj tej haran tum kiyao. Astra shastra jisse nirmayao.

- You controlled the radiance of the sun and created divine weapons and tools.

Chakra shakti aru trishool eka. Dand paalki shastra aneka.

- You crafted the chakra, shakti (divine spear), trishool (trident), and numerous other weapons, including a staff and palanquin.

Vishnuhin chakra shool Shankarhin. Ajahin shakti dand Yamraajhin.

- You gave the chakra to Vishnu, the trident to Shiva, shakti to Durga, and the staff to Yamraj.

Indrahin vajra va Varunhin paasha. Tum sabki pooran ki aasha.

- You provided the thunderbolt to Indra and the noose to Varuna. You fulfill the hopes of all gods.

Bhaanti-bhaanti ke astra rachaye. Satpath ko Prabhu sada bachaye.

- You created various types of weapons and always protect the path of righteousness.

Amrit ghat ke tum nirmaata. Saadhu sant bhaktan sur traata.

- You are the creator of the pot of nectar (amrit) and the protector of saints, sages, devotees, and gods.

Lauh kaasht taamra paashaana. Swarn shilp ke param sajaana.

- You perfected the arts of working with iron, wood, copper, stone, and gold.

Vidyut agni pavan bhu vaari. Inse adbhut kaaj savaari.

- You use electricity, fire, air, earth, and water to perform extraordinary tasks.

Khaan-paan hit bhaajan naana. Bhavan vibhishta vividha vidhaana.

- You designed various types of utensils for food and drink, as well as diverse architectural structures.

Vividha vast hit yantra apaara. Virachehu tum samast sansaara.

- You created countless machines and tools for different purposes, shaping the entire universe.

Dravya sugandhit suman aneka. Vividha maha aushadhi saviveka.

- You created many fragrant substances, flowers, and numerous powerful medicinal herbs.

Shambhu viranchi Vishnu surpaala. Varun Kuber Agni Yamakala.

- Lord Shiva, Brahma, Vishnu, and other divine guardians like Varuna, Kubera, Agni, and Yamraj worship you.

Tumhare digh sab milkar gayo. Kari pramaan puni astuti thayo.

- All these gods came together to offer their obeisance and sang your praises.

Bhe aatur Prabhu lakhi sur-shoka. Kiyao kaaj sab bhaye ashoka.

- Seeing the sorrow and anxiety of the gods, you fulfilled their tasks and freed them from worry.

Adbhut rache yaan manhaari. Jal-thal-gagan maahin-samaachaari.

- You created marvelous vehicles that can travel on land, water, and in the sky.

Shiv aru Vishwakarma Prabhu maahin. Vigyaan kah antar naahin.

- There is no difference between Lord Shiva and Lord Vishwakarma in terms of divine knowledge and power.

Barnai kaun swaroop tumhaara. Sakal srishti hai tav vistaara.

- Who can describe your true form? The entire universe is an extension of your creation.

Rachet vishw hit trividh shareera. Tum bin harai kaun bhav haari.

- You created the three forms (gross, subtle, and causal bodies) for the welfare of the world. Without you, who can grant liberation from the cycle of birth and death?

Mangal-mool bhagat bhay haari. Shok rahit trailok vihaari.

- You are the root of all auspiciousness and remove the fears of your devotees. You wander across the three worlds, free from sorrow.

Chaaro yug prataap tumhaara. Ahai prasiddha vishwa ujiyaara.

- Your glory shines in all four ages (Satya, Treta, Dvapara, and Kali) and illuminates the entire universe.

Riddhi siddhi ke tum var daata. Var vigyaan ved ke gyaata.

- You are the giver of spiritual and material wealth and the supreme knower of all sciences and Vedic knowledge.

Manu may Tvashta shilpi takshaa. Sabki nit kartein hain rakshaa.

- You manifest as Manu, Tvashta, the divine craftsman, and Taksaka, constantly protecting everyone.

Panch putra nit jag hit dharmaa. Havai nishkaam karai nij karmaa.

- Your five sons are always engaged in righteous actions for the welfare of the world, performing their duties selflessly.

Prabhu tum sam kripaal naahin koi. Vipda harai jagat mahin joi.

- There is no one as compassionate as you, O Lord! You remove all calamities from the world.

Jai jai jai bhauvan Vishwakarma. Karahu kripa Gurudev Sudharma.

- Hail, hail, hail to you, Lord Vishwakarma, the master of the universe! Bless us, O divine Guru of true righteousness.

Ik sau aath jaap kar joi. Chheejai vipatti maha sukh hoi.

- Whoever chants your name 108 times will have their miseries removed and attain great happiness.

Padhaahi jo Vishwakarma Chaleesa. Hoy siddh saakshi Gaurisha.

- Whoever recites the Vishwakarma Chalisa will attain spiritual success, as attested by Lord Shiva (Gaurisha).

Vishwa Vishwakarma Prabhu mere. Ho prasanna hum baalak tere.

- O Lord Vishwakarma, the creator of the universe, be pleased with me. I am your humble child.

Main hun sada Umapati chera. Sada karo Prabhu man mahin dera.

- I am always a servant of Lord Shiva (Umapati). O Lord, please make my heart your eternal abode.

□ Doha □
Karahu kripa Shankar saris, Vishwakarma Shivroop.

- Bless me like Lord Shiva would, as you are a manifestation of him, O Vishwakarma.

Shri shubhda rachna sahit, hriday basahu soor bhoop.

- O Lord Vishwakarma, the creator of all auspicious creations, reside in my heart forever.